(a) what is the number of letters written by the Members of Parliament to the Ministry of Science and Technology during the period from 1st April, 1990 to 31st march, 1993 alongwith year-wise details thereof.

(b) what is the number of letters out of them that were acknowledged;

(c) what is the number of letters in respect of which final replies were sent; and

(d) what is the breakup of final letters issued by the Ministry containing positive and negative replies respectively?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF CHEMICAL AND FERTILIZERS, PARLIAMENTARY AFFAIRS AND IN THE DEPARTMENTS OF ELECTRONICS AND OCEAN DEVELOPMENT (SHRI EDUARDO FALEIRO): (a) to (d) Information is being collected and will be laid on the Table of the House.

जनसंख्या विशेषज्ञों का सम्मेलन

3260. **श्री अजीत जोगी :**

श्री राधाकिशन मालवीय :

क्या प्रधान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या हाल ही में दिल्ली में जनसंख्या विशेषज्ञों का सम्मेलन हुआ था;

(ख) यदि हां, तो इस सम्मलन में कौन-कौन सी सिफारिशें की गयी हैं ;

(ग) किन-किन राज्यों में परिवार कल्याण कार्यक्रम नाजुक हालत में हैं ; और

(घ) इस संबंध में स्थिति में सुधार लाने के लिये सरकार द्वारा क्या कदम उठाये गये हैं ?

रसायन और उर्वरक, संसदीय कार्य मंत्रालय, इलैक्ट्रानिकी तथा महासागर विकास विभागों में राज्य मंत्री (श्री एडुआर्डो फेलेरियो): (क) और (ख) जी हां, । दिल्ली में 24 से 27 अक्तूबर, 1993 तक जनसंख्या विशेषज्ञों का एक सम्मेलन हुआ था । 58 अकादमियों द्वारा हस्ताक्षरित एक जनसंख्या वक्तव्य का सारांश अनुपत्र में है । (देखिये परिशिष्ट, 170, अनुपत्र सं० 67) । सम्मेलन की विशिष्ट सिफारिशें भारत सरकार द्वारा अभी प्राप्त की जानी है ।

(ग) 1992 के सेम्पल रजिस्ट्रेशन सिस्टम (एस आर एम) अनुमान दर्शाते हैं कि उत्तर प्रदेश, बिहार, हरियाणा तथा असम में असशोधित जन्म दर 29.0 की राष्ट्रीय औसत से अधिक है । इसी भांति 1991 के एस आर एम अनुमानों के अनुसार उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार तथा हरियाणा में समग्र जनन क्षमता दर 3.6 की राष्ट्रीय औसत से अधिक है । 1992 के एस आर एस अनुमानों के अनुसार उड़ीसा, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान राज्यों में शिशु मृत्यु दर (आई एम आर) 79 की राष्ट्रीय औसत से अधिक है । नवीनतम उपलब्ध जनांकिकीय संकेतकों का राज्यवार अनुपत्र में है । (देखिए परिशिष्ट 170, अनुपत्र सं० 68)

(घ) राज्य सरकारों तथा संघ राज्य प्रशासनों के साथ परामर्श कर परिणामोन्मुखी कार्य योजना बनाई गयी है । इसकी मुख्य विशेषताओं में शामिल हैं–सेवाओं की गुणता तथा सुलभता को सुधारना, युवा दम्पतियों में अन्तराल विधियों को बढ़ावा देना, 90 पिछड़े जिलों पर उनके जनांकिकीय पैरामीटरों में सुधार लाने के लिये विशेष ध्यान देना और लोगों की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिये स्वैच्छिक और गैर-सरकारी संगठनों को शामिल करने के साथ साथ मातृ और शिशु स्वास्थ्य देखरेख को बढ़ावा देने के लिये उपचारी उपायों को सुदृढ़ करना ।

Appointment of Directors of CBRI

3261. SHRI VIREN J. SHAH:

SHRI PRAMOD MAHAJAN:

Will the PRIME MINISTER be pleased to state: